♦ नव वर्ष मंगलमय हो

संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 21 वर्ष : छठा मालीगांव, गुवाहाटी -11 त्रैमासिक जनवरी, 2012

कटिहार-मनिहारी आमान परिवर्तन सेक्शन पर पहली यात्री रेलगाड़ी का शुभारंभ

यात्री रेलगाड़ी का शुभारंभ करते हुए श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार ने कटिहार में दिनांक 30-10-2011 को कटिहार-मनिहारी आमान परिवर्तन सेक्शन (24.4 कि.मी.) पर पहली यात्री रेलगाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया।

असम के मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षा

माननीय मुख्यमंत्री असम, श्री तरूण गोगोई ने दिनांक 23.12.2011 को गुवाहाटी में बोगीबिल पुल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्हें परियोजना की प्रगति में तीव्रता लाने हेतु परियोजना की स्थिति और महत्वपूर्ण मुद्दों/आवश्यक सहयोग से अवगत कराया गया।

माननीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री द्वारा समीक्षा बैठक

माननीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री पी.एस. घाटोवार ने सिलचर में दिनांक 20-10-2011 को लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम-बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्हें परियोजना की स्थिति और भू-अधिग्रहण और वन अनापत्ति जैसे संबंधित मुद्दों से भी अवगत कराया गया। कार्य समापन की लक्ष्य तिथि दिसंबर, 2013 दर्शाई गई।

माननीय गृहमंत्री,भारत सरकार द्वारा नई रेल लाइन परियोजना की समीक्षा

माननीय गृहमंत्री, भारत सरकार, श्री पी. चिदंबरम ने दिनांक 02-11-2011 को इंफाल में जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्हें परियोजना की स्थिति और संबंधित मुद्दों एवं प्रगति की तीव्रता के लिए अपेक्षित आवश्यक सहायता से अवगत कराया गया। समीक्षा बैठक में माननीय गृहमंत्री ने निदेश दिए कि सी आर पी एफ की एक बटालियन को परियोजना पर तैनात किया जाना है और इसके लिए लिखित पुष्टि गृह मंत्रालय द्वारा भेजी जाएगी। रेल परियोजना के लिए अपेक्षित अतिरिक्त सुरक्षा बल की व्यवस्था मणिपुर राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण

सी आर एस/एन एफ सर्किल ने न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन परियोजना के अंतर्गत न्यू कूचबिहार-गोलकगंज सेक्शन (58.0 कि.मी.) का दिनांक 8/9-11-2011 को निरीक्षण किया और दिनांक 14-11-2011 को सेक्शन को यात्री सेवा के लिए चालू करने का अनुमोदन दिया।

श्री केशव चन्द्रा ने महाप्रबंधक/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण की वित्त आयुक्त, रेलवे बोर्ड के रूप में पदोन्नति होने पर हुए स्थानांतरण के फलस्वरूप श्री केशव चन्द्रा, पू.सी. रेल ने दूसरी बार महाप्रबंधक/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार दिनांक 27.12.2011 को ग्रहण किया। इससे पहले भी उन्होंने 01.08.2010 से 05.1.2011 तक महाप्रबंधक/नि का अतिरिक्त कार्यभार संभाला था।

संरक्षक
श्री केशव चन्द्रा
महाप्रबंधक/निर्माण

मुख्य संपादक
श्री सुभाष चन्द्र रजक
मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि

संपादक
श्री जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि

सहयोग
श्रीमती रंजु झा
राजभाषा अधिकारी/नि

महाप्रबंधक/निर्माण का नव वर्ष संदेश

प्रिय साथियो,

नव वर्ष 2012 के इस शुभ अवसर पर मैं पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर से यह भी प्रार्थना करता हूँ कि पिछले वर्ष की तरह यह नया वर्ष भी निर्माण संगठन तथा इसके सभी रेलकर्मियों और रेल परिवारों के लिए सुखमय एवं मंगलमय हो और हम सभी अपने निजी एवं विभागीय कार्यों में ज्यादा से ज्यादा प्रगति करें।

यह बहुत खुशी की बात है कि निर्माण संगठन ने वर्ष 2011 में अपने सभी कार्यक्षेत्रों में शानदार प्रगति की है और सभी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। मुझे विश्वास है कि हमारा संगठन इस वर्ष भी सभी परियोजनाओं को समय पर और सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करेगा। मुझे यह भी आशा है कि हमारे सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने विभागीय कार्यक्षेत्रों में तत्परता और दृढ़ संकल्प से कार्य करते हुए अपने सभी कार्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करेंगे। आप जानते हैं कि पूर्वोत्तर राज्यों में चल रहीं विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं और उनसे संबंधित गतिविधियों की प्रगति के बारे में नियमित रूप से "संवाद पत्र" के माध्यम से भी जानकारी दी जाती रही है। पिछले 5 वर्षों में संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से भी रूबरू कराया है। मुझे आशा है कि हमारे संगठन के अधिकारी और कर्मचारी इसी तरह आगे भी "संवाद पत्र" के माध्यम से अपनी प्रतिभा को और विकसित करेंगे तथा इसमें अपना पूरा योगदान देने का प्रयास करेंगे। "संवाद पत्र" का मुख्य उद्देश्य संगठन के विभिन्न कार्यक्षेत्रों और उनकी प्रगति का समय-समय पर लेखा-जोखा प्रस्तुत करना है। इसके साथ-साथ निर्माण संगठन मुख्यालय एवं इसकी फील्ड यूनिटों में राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रचार-प्रसार करना भी इसका उद्देश्य रहा है।

आइये, इस नव वर्ष में हम सब अपने सरकारी और पारिवारिक कार्यों को निष्ठापूर्वक एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पूरा करने का संकल्प लें।

मैं पुन: निर्माण संगठन और आप सभी की समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना करता हूँ।

जय हिंद!

के चन्द्रा

(केशव चन्द्रा)

सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड द्वारा समीक्षा बैठक

सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड द्वारा 25 नवंबर, 2011 को समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पू. सी. रेल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I और II सम्मिलित हुए। इसमें वर्ष 2011-12 में लक्षित नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण कार्यों की प्रगति तथा वर्ष 2010-11 में पूरी की गई परियोजनाओं को चालू करने के बारे में विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। वर्ष 2011-12 की लक्षित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सदस्य इंजीनियरी द्वारा दिए गए निदेशों पर अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जा चुकी है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/नि शपथ दिलाते हुए

दिनांक 31-10-2011 से 05-11-2011 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया जिसकी शुरूआत मुख्यालय एवं फील्ड यूनिटों में निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। 31.10.2011 को निर्माण संगठन मुख्यालय परिसर में श्रीमती विजया कान्त, तत्कालीन महाप्रबंधक/निर्माण ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इसी दिन पू.सी. रेल (ओपन लाइन) के सतर्कता विभाग के सहयोग से महाप्रबंधक/निर्माण के कांफ्रेंस हाल में सतर्कता जागरूकता पर एक परिचर्चा का भी आयोजन करवाया गया, जिसमें महाप्रबंधक/निर्माण, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I एवं II तथा विभागाध्यक्षों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस परिचर्चा में श्री एस.के. अग्रवाल, एस.डी.जी.एम. एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, पू.सी. रेल अपनी पूरी टीम सहित उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक का एक दृश्य

इसी क्रम में दिनांक 3.11.2011 को दोपहर बाद निर्माण संगठन मुख्यालय प्रांगण में पू.सी. रेल (ओपन लाइन) के रेलकर्मी कलाकारों द्वारा सतर्कता जागरूकता पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरा आनंद लिया और इसकी सराहना भी की।

रिजनल परमानेंट को-ऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क (आर पी सी एफ) की बैठक

चीफ ऑफ स्टॉफ, पूर्व कमान, कोलकाता द्वारा डिब्रूगढ़ में 02-12-2011 को सामरिक लाइनों की प्रगति की समीक्षा के लिए रिजनल परमानेंट को-ऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क (आर पी सी एफ) की चौथी बैठक की गई।

रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड की ओर से श्री अरविंद कुमार वोहरा, सदस्य कार्मिक ने दिनांक 09.11.2011 को श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-1 को वर्ष 2010 के दौरान उनके द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए गए सराहनीय योगदान के लिए रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
राजभाषा पदक प्रशस्ति-पत्र

सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह का आयोजन

पूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीय इंदिरा गांधी के जन्म दिवस 19 नवम्बर के उपलक्ष्य में दिनांक 21.11.2011 को निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए मुख्यालय परिसर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया और इसके बाद सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह मनाया गया।

परिवहन आधारभूत संरचना के संवर्द्धन एवं विकास के वर्किंग ग्रुप के साथ दिसपुर में बैठक

दिनांक 29-11-2011 को राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति (एन टी डी पी सी) के अध्यक्ष, श्री विवेक सहाय की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर में परिवहन आधारभूत संरचना के संवर्द्धन एवं विकास के वर्किंग ग्रुप के साथ दिसपुर में एक बैठक आयोजित की गई।

भारत रत्न, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 55 वाँ महापरिनिर्वाण दिवस समारोह

श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ करते हुए श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/नि. (अब वित्त आयुक्त, रेलवे बोर्ड)

भारत रत्न, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 55 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 06 दिसम्बर, 2011 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन मुख्यालय के मुख्य भवन के प्रांगण में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनके योगदान को याद किया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

सितम्बर, 2011 को समाप्त तिमाही के लिए इस वर्ष की चौथी बैठक का आयोजन श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 06.12.2011 को किया गया। इस बैठक में रेल हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य, श्री हरि मोहन मिश्रा ने भी प्रेक्षक के रूप में भाग लिया। बैठक में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया और वर्ष 2011-12 के वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक का संचालन श्री एस.सी. रजक, मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि ने किया और श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/निर्माण ने निर्माण संगठन की तिमाही प्रगति रिपोर्ट पावर प्वाइंट में प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरिबाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन (98 कि.मी.)

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और रेलवे बोर्ड में भेजने हेतु विस्तृत प्राक्कलन अंतिम चरण में है। 1160.56 हेक्टेयर भूमि में से 654.462 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण, 439.61 लाख क्यूबिक मीटर में से 220.52 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 84.0 कि.मी में से 7.40 कि.मी फार्मेशन, 89 में से 34 छोटे पुल, 5 में से 5 आर.ओ.बी./आर.यू.बी तथा 37623 मीटर में से 978.00 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी तट पर तटबन्ध, छोटे एवं बड़े प्रुलों तथा स्टेशन निर्माण कार्य पूरा किया गया और पुल के दक्षिण तट पर कार्य प्रगति पर हैं। वन क्षेत्र में आने वाले साऊथ डाइक के 3 कि. मी. को छोड़कर उत्तरी एवं दक्षिणी डाइकों का उत्थान एवं मजबूतीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 3 कि. मी. के लिए भी ठेका दे दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। बोगीबिल रेल सह सड़क मुख्य पुल अधिसंरचना के लिए मेसर्स एचसीडी-बीएनआर को दिनांक 23.11.11 को ठेका दिया जा चुका है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-10 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है। सभी 12 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए अधिसूचना जारी की गई। 8 मामलों में भू-अर्जन प्राक्कलन अनुमोदित की जा चुकी है। सभी 12 मामलों में सरकारी जमीन प्राप्त की जा चुकी है। मेघालय भाग के लिए सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा)तक नई लाइन (88 कि.मी.)

जमीन पर संरेखण के स्टैकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा 125 कि.मी. तक संपूर्ण लम्बाई के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जाँच प्रगति पर है। रेलवे बोर्ड ने मई, 10 में इस कार्य को आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया था। यद्यपि अब तक आर वी एन एल द्वारा कार्य निष्पादन हेतु कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। रेलवे बोर्ड के दिनांक 15-04-11 के पत्र के तहत पुन: यह निर्णय लिया गया कि पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण द्वारा परियोजना निष्पादित की जाएगी। अब तक 45.0 कि.मी. भू-तकनीकी कार्य पूरा किया गया।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण लम्बाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य तथा भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जाँच भी पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 352.95 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है। त्रिपुरा सरकार को भू-अधिग्रहण हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं। कुल 6 प्रस्तावों में से 1 सेक्शन 4 (1) के अधीन, 1 सेक्शन 6 (1) के अधीन प्रकाशित किए गए तथा अन्य 4 प्रस्तावों को शीघ्र अधिसूचित करने की संभावना है। उदयपुर-सबरूम सेक्शन हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है।

मैरवी से सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

मैरवी-सैरंग (51.38 कि.मी.) नई बीजी लाइन हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। कि.मी. 0.575 से कि.मी. 42.247 तक भू-अधिग्रहण की धारा 4 के अधीन गजट अधिसूचना प्रकाशित की गई। उपायुक्त/आइजोल ने भू-अधिग्रहण प्रस्ताव सचिव, राजस्व, मिजोरम सरकार को दिनांक 01-08-2011 को सुपुर्द कर दिया। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01-09-2011 को कुल 2384.34 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

पू. सी. रेल, निर्माण द्वारा सेवक-रंगपों का संशोधित संरेखण अनुमोदित कर दिया गया तथा सेवक यार्ड के संशोधित लोकेशन को भी अनुमोदित किया गया। रंगपो यार्ड की नव प्रस्तावित तथा प्रतिस्थापित लोकेशन को अनुमोदन हेतु सिक्किम सरकार को अग्रेषित किया गया है। कि.मी. 5 से 41.50 तक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग से अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। सुरंग संख्या 2 से सुरंग संख्या 6 तथा महत्वपूर्ण पुलों सहित सेवक से तिस्ता पुल (18.50 कि. मी.) के बीच भू-तकनीकी जाँच हेतु निविदा को अंतिम रूप दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। इरकॉन द्वारा दिनांक 16-07-10 को संरेखण अभिकल्प एवं भू-वैज्ञानिक मानचित्रण के लिए ठेका प्रदान किया जा चुका है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 880.95 करोड़ रूपए का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 13-04-2011 को स्वीकृत किया गया। खासी स्टूडेंट यूनियन ने राज्य सरकार के साथ अपने लम्बित मामलों के कारण नवंबर, 2010 से एफ एल एस कार्य को जबर्दस्ती रूकवा दिया है। मामले की जानकारी राज्य सरकार को दे दी गई है। शिलांग में दिनांक 17-09-2011 को रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नव- गठित टॉस्क फोर्स के साथ भू-अधिग्रहण मामले के निपटान के लिए बैठक हुई। भू-अधिग्रहण तथा एफ एल एस का मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बरईग्राम और बरईग्राम-कुमारघाट आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत एक नव-निर्मित सुरंग सं. 3 (535.0 मी.) और बोइला नदी पर एक बड़े पुल सं.102 सहित 1.46 कि.मी. लम्बी स्थायी विपथन जिसे पहले ही चालू किया जा चुका था, इस माह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया। परियोजना के अंतर्गत सालछापरा और अरूणाचल स्टेशनों के बीच पुल संख्या 26 से होकर कि.मी. 16/2-3 से कि.मी. 17/5-6 तक लगभग 1.294 कि. मी. लम्बे हाल ही में जोड़े गए स्थायी विपथन को सी आर एस निरीक्षण और उनके अनुमोदन उपरांत दिनांक 05-06-2011 को चालू कर दिया गया।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

10 स्टेशनों के स्टेशन भवन और आर बी जी कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन

2010-2011 में निष्पादन

- खर्च = 2223.22 करोड़ रूपये

2011-2012 का परिव्यय

- मांग - 16 = 2260.21 करोड़ रूपये
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 0.09 करोड़ रूपये

कुल = 2260.30 करोड़ रूपये

2011-2012 का खर्च

- दिसंबर,11 के दौरान खर्च (लगभग) = 273.09 करोड़ रूपये
  + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 273.09 करोड़ रूपये

- दिसंबर,11 तक संचयी खर्च (लगभग) =1426.64 करोड़ रूपये
  + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल =1426.64 करोड़ रूपये

- परिव्यय का खर्च (%) = 63.12 %

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90%	निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है।
♦ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल	73%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ। दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है। आर एंड सी कार्य प्रगति पर है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	87%	31.08.2011 कार्य प्रगति पर है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	31.3.11 कार्य पूरा हुआ और चालू किया गया।

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन: स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.एस.एल. द्वारा सिगनलों का अपग्रेडशन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)	पानीटोला से लाहोअल तक 4 स्टेशनों पर कार्य शुरु किया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य दिनांक 16.12.2010 को चालू किया गया।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यूजलपाईगुड़ी - बारसोई - मालदा टाउन व बारसोई - कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'वे साइड सिस्टम' क्रमशः दिनांक 26.05.10 तथा 9.6.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'वे साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमशः 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

वर्ष 2011-12 के लक्षित कार्य

- मैनागुड़ी रोड से न्यू चेंगराबांधा नई लाइन
- हारमुती से नाहरलागुन नई लाइन
- रंगिया से रंगापाड़ा नॉर्थ आमान परिवर्तन
- न्यूमाल जंक्शन से मैनागुड़ी रोड आमान परिवर्तन

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	गुवाहाटी-लमडिंग-तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ दोहरीकरण	2010-11	असम	100%	सितंबर, 2011
2.	जोगीघोपा से बरपेटा, सर्थेबाड़ी, हाजो तथा सुवालकुचि होकर गुवाहाटी तक नई लाइन	2010-11	असम	100%	अक्तूबर, 2011
3.	पासीघाट-तेजू-परसुरामकुंड तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	65%	जनवरी, 2012
4.	मिसामारी-तवांग तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	45%	फरवरी, 2012
5.	न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या (दोहरीकरण)	2011-12	असम	90%	जनवरी, 2012

स्थानांतरण/पदस्थापन

श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव का दिनांक 01.12.11 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य/2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस.पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कटिहार का दिनांक 01.12.11 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री रवीन्द्र राम, मुख्य इंजीनियर/निर्माण/1 का दिनांक 14.12.2011 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण/4 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री मदन सेन, मुख्य इंजी./नि/6 को दिनांक 30.11.2011 को मुख्य इंजीनियर/नि/डिजाइन एवं प्लानिंग के रूप में पदस्थापित किया गया।

श्री महिंदर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य का दिनांक 27.12.11 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डिब्रूगढ़/1 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री वी.पी. श्रीवास्तव, मुख्य इंजीनियर/नि/4 का दिनांक 30.11.2011 को पूर्व तटीय रेल पर स्थानांतरण हुए।

श्री रणजीत दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/स्पेशल/डिब्रूगढ़ का दिनांक 5.12.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कटिहार के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एम.वी. प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण का दिनांक 5.12.2011 को दक्षिण पश्चिम रेल पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस. प्रभु, उप मुख्य इंजीनियर/लमर्डिंग/1 का दिनांक 1.12.2011 को दक्षिण पश्चिम रेल पर स्थानांतरण हुआ।

श्रद्धांजलि

निर्माण संगठन के निम्नलिखित दिवंगत रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने के लिए शोक संतप्त परिवारों को शक्ति और दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना की गई:-

1.स्वर्गीय करूणाकांत डेका	देहावसान	27.10.11
2.स्वर्गीय सुभाष चंद्र नेउगी	देहावसान	19.11.11
3.स्वर्गीय राजेन साह	देहावसान	05.11.11
4.स्वर्गीय दीपा बुवाम	देहावसान	09.12.11

विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 फरवरी, श्री के.सिंगसन, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी./नि/मुख्यालय
10 फरवरी, श्री हरपाल सिंह, मुख्य इंजी./नि/अवकाश पर
20 फरवरी, श्री ए.प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लमर्डिंग-2
26 फरवरी, श्री अरविन्द कुमार, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/नि/सर्वे

स्वागत

श्री हरपाल सिंह, दिनांक 05.5.2011 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और तत्पश्चात अवकाश पर हैं।

श्री अजित पंडित, दिनांक 30.11.11 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण-4 के पद पर पदस्थापित हुए और दिनांक 14.12.11 को मुख्य इंजीनियर/ निर्माण-1 के पद पर स्थानांतरित किए गए।

श्री अशोक कुमार, दिनांक 05.12.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डिजाइन के पद पर पदस्थापित हुए और दिनांक 27.12.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/ नि/सामान्य/1 के पद पर पदस्थापित किए गए।

श्री अरविन्द कुमार, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/नि/सर्वे के पद पर दिनांक 28.12.2011 को पदस्थापित हुए।

बधाई

जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जनवरी, श्री मदन सेन, मुख्य इंजीनियर/नि/डिजाइन एवं प्लानिंग
01 जनवरी, श्री राजू कुमार दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/3/सिलचर
01 जनवरी, श्री के.एन. तालुकदार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/योजना
03 जनवरी, श्री एस.के बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/डिब्रूगढ़
10 जनवरी, श्री के.ए.नारायण, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी./नि/सर्वे
12 जनवरी, श्री अनिल कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/2/सिलचर
15 जनवरी, श्री एन.जी. सेटे, उप वि. स. व मुलेधि/नि/सिलचर
15 जनवरी, श्री डी.एन. प्रसाद, उप वि. स. व मुलेधि/नि/एनजेपी
15 जनवरी, श्री गौतम तालुकदार, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/नि
24 जनवरी, श्री अरविन्द कुमार, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/नि/सर्वे
01 फरवरी, श्री ए. कछारी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सर्वे
01 फरवरी, श्री ए.के. दास, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी/नि/मालीगांव
02 मार्च, श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सामान्य-2
03 मार्च, श्री बी.के. तिरकी, मुख्य इंजीनियर/नि/5
06 मार्च, श्री ए.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-4
06 मार्च, श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि
09 मार्च, श्री पी.के. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि
28 मार्च, श्री राहुल साह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-3

पैसे की दुनिया

(यह कविता वर्ष 1974 में लिखी गई मेरी पहली रचना है जो पहली बार 1983 में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ की पत्रिका में छपी थी। अब इतने वर्षों के बाद इसे "संवाद पत्र" के सुधी-पाठकों के लिए पुन: प्रकाशित किया गया है क्योंकि "पैसे की दुनिया" की अहमियत आज भी बरकरार है)

झूठी ये दुनिया, झूठे ये रिश्ते, झूठा है सब प्यार
देखो यह कैसा आया जमाना, पैसे के सब यार,
इस पैसे की खातिर देखो फिरते मारे-मारे
इसके बलबूते पर चलते दुनिया के चक्कर सारे।

जन्म के अवसर पर होती पैसे की पहले पुकार
दाई और बधाई वाले भी पैसे की करें गुहार,
पालन-पोषण की खातिर पैसे की पड़े जरूरत
लिखने-पढ़ने का भी देखो पैसे से लगे महूरत,
कदम-कदम पर पैसे से मिलती सभी सहूलियत
पैसे से ही इस दुनिया में चलतीं सभी हकूमत।

सब गरमी से बढ़कर देखो है पैसे की गरमी
बिन पैसे जेबों में भी आ जाती है नरमी,
बिन पैसे गले में देखो पड़ जाता है फंदा
बिन पैसे बाजारों में भी आ जाता है मंदा।

जिधर भी देखा करामात वहाँ पैसे की ही पाई
अपनी समझ में यह दुनिया पैसे की कभी न आई,
बड़े हुए तो सबको चिंता पैसे की ही लागी
बहुतेरों की किस्मत तो पैसे से ही जागी,
कितनों की अक्ल भी देखो पैसे से ही भागी
धन्य हो भगवन तेरी प्रीत भी पैसे में ही लागी।

यारी-दोस्ती भी अब पैसे से निभ पाती है
बिन पैसे ज्यादा दिन यह भी न चल पाती है,
यह जमाना कैसा आया, चलती पैसे की ही मार
पैसे से ही पैसे की होती है अब भरमार।

शादी-विवाह में होती है पैसे की ही बात
पैसे से देखी जाती है आदमी की औकात,
मात-पिता और भाई-बहन को पैसा ही प्यारा
बिन पैसे कोई अपना-पराया देता नहीं सहारा,
बीवी-बच्चों को अपना बनाने में है पैसे का हाथ
पैसा न हो पास तो ये छोड़ दें अपना साथ।

कितने ही ईमान बेचते इस पैसे की खातिर
कितने यहाँ भगवान बेचते इस पैसे की खातिर,
क्या मंदिर क्या मस्जिद, क्या गिरजा क्या गुरुद्वारा
सभी जगह घूम मची है, पैसा ही सबको प्यारा।

बिन पैसे के हो न सके होता-होता प्यार
टूट क्यों जाते प्रेम के बंधन, आती जब पैसे की बार,
पैसे के चक्कर में कितनों के बिकते हैं शरीर
पास है पैसा तो मूर्ख भी कहलाता है अमीर,
पैसे के लालच में कितनों का गिर जाता है ज़मीर
कितनों को पैसे की खातिर पड़ जाती है जंजीर।

मर भी जाएं तो भी देखो बिन पैसे न धाम चलें
अंतिम संस्कार का भी बिन पैसे न काम चलें,
क्रिया-कर्म के काम में कोई बिन पैसे न हाथ धरे
धर्म-कर्म के काम में कोई बिन पैसे न साथ चले।

अरे "जन" तू भूल न जाना, पैसे के चक्कर में न आना
जिन राहों में बात पैसे की, उन राहों में कभी न जाना,
बिन पैसे ही धीरज रखना, सब को गले लगाना
देश और समाज की खातिर, गीत प्यार के गाना,
जहाँ सवाल अपनी इज्जत का, वहाँ डटकर हाथ बढ़ाना
अपनी गरिमा को पैसे की खातिर, कभी ठेस न पहुंचाना।

राम और श्याम

(भक्ति गीत)

तेरे वृंदावन में श्याम
ढूंढे हमने अपने राम,
मंदिर देखे, देखे सब धाम
कहीं मिले ना सबके राम।

वृंदावन की कुंजगलियों में
घूमे फिरे बहुत हम श्याम,
ना तुम मिले, ना मिले राम
कैसे छलिया हो तुम श्याम।

गोवर्धन की पगडंडी पर
भटका बहुत अरे घनश्याम,
सुनी ना कहीं बांसुरी तेरी
ना देखी तेरी सूरत श्याम।

कहते हैं, सब तेरी माया
तेरा भेद कोई नहीं पाया,
मन की भावना अपनी-अपनी
किसी का राम, तू किसी का श्याम।

"तू मानव मन का अति भोला
अपने मन को नहीं टटोला,
मन मंदिर में अपने देखो
मैं ही श्याम, मैं ही राम।

मैं ही हूँ राधा का कृष्ण
मैं ही मीरा का घनश्याम,
मैं ही हूँ तुलसी का राम
मैं ही सूरदास का श्याम।

हे मानव, मुझको पहचानो
मेरे मर्म को मन से जानो,
क्या मथुरा, क्या वृंदावन धाम
मैं हूँ एक, मेरे अनेकों नाम।"

-जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण)

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

30 नवंबर, 2011 को आयोजित विदाई समारोह का एक दृश्य

निर्माण संगठन में नवम्बर तथा दिसंबर, 2011 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की शुभकामनाएं देता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1.	आर.सी. भौमिक	एस.एस./वी./नि	वि.स. व मुलेधि/नि	नवम्बर, 2011
2.	एन.बी. दत्त	व.लिपिक/नि	उप मु.कार्मिक अधि./नि	नवम्बर, 2011
3.	असूर सुकाई	हेल्पर/ग्रेड-1	उप.मु.सि.एवं दू.स.इंजी/नि	नवम्बर, 2011
4.	भोलानाथ वरूआ	व.लिपिक/नि	उप.मु.इंजी/नि/जोगीघोपा	दिसम्बर, 2011
5.	अमिताभ अधिकारी	एस.एस.ई/डब्ल्यू/नि	उप मु.इंजी/नि/मालीगांव	दिसम्बर, 2011
6.	शशिंद्र मोहन दास	फेरो प्रिंटर/नि	उप मु.इंजी/नि/योजना	दिसम्बर, 2011
7.	सी.एम. मंडल	एस.एस.ई/डब्ल्यू/नि	उप मु.इंजी/नि/सिलापथार	दिसम्बर, 2011
8.	एन.के. चक्रवर्ती	जूनियर इंजी/नि/1	महाप्रबंधक/नि/मालीगांव	दिसम्बर, 2011
9.	सुदेय घोष	एस.एम.एम/नि	भंडार नियंत्रक/नि	दिसम्बर, 2011
10.	नरोत्तम झा	सी.डी.एम.एस/नि/बंगाईगांव	उप.मु.इंजी/नि/जोगीघोपा	दिसम्बर, 2011
11.	निकुंज शर्मा	सीनियर ए.एफ.ए/नि	वि.स.व मुलेधि/नि	दिसम्बर, 2011
12.	रविलाल काकति	ए.एफ.ए/नि	वि.स.व मुलेधि/नि	दिसम्बर, 2011
13.	जगदीश बरमन	सीनियर ट्रैकमैन/नि	उप मु.इंजी/नि/रंगिया	दिसम्बर, 2011
14.	चंद्र मोहन जामातिया	ट्रैकमैन/रंगिया	उप मु.इंजी./नि/रंगिया	दिसम्बर, 2011

अलविदा

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण की दिनांक 26.12.2011 को वित्त आयुक्त, रेलवे बोर्ड के रूप में पदोन्नति होने पर निर्माण संगठन की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण का पदोन्नति पर महाप्रबंधक, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, चित्तरंजन के पद पर स्थानांतरण हुआ और निर्माण संगठन की ओर से उन्हें दिनांक 26.12.2011 को विदाई दी गई।